श्री भैरव गायत्री मन्त्रः -

ॐ कालकालाय विद्महे कालातीताय धीमहि। तन्नः कालः प्रचोदयात्।।

श्री महाकालभैरव मन्त्रः -

अथ विनियोगः -

ॐ अस्य श्रीमहाकालभैरवमन्त्रस्य सदाशिव ऋषिः, मधुमती छन्दः, महाकालो देवता, ॐ बीजं, ह्रीं शक्तिः, क्रों कीलकम्, सशत्रुसर्वानिष्टनिवृत्तये विनियोगः।

अथ ऋष्यादिन्यासः -

ॐ अस्य श्रीमहाकालभैरवमन्त्रस्य सदाशिवर्षये नमः - शिरसि, **मधुमतीछन्दसे नमः** - मुखे, **महाकालदेवतायै नमः** - हृदये, **ॐ बीजाय नमः** - गुह्ये, **ॐ ह्रीं शक्तये नमः** - पादयोः, **ॐक्रों कीलकाय नमः** - नाभौ, **ॐ सशत्रुसर्वानिष्टनिवृत्तये विनियोगाय नमः** - सर्वाङ्गे।

अथ करादिन्यासः -

अथ मन्त्राः	अथ करन्यासः	अथ हृदयादिन्यासः
ॐ ॐ नमः	**अंगुष्ठाभ्यां नमः,**	**हृदये नमः,**
ॐ ह्रीं नमः	**तर्जनीभ्यां नमः,**	**शिरसे स्वाहा,**
ॐ क्रों नमः	**मध्यमाभ्यां नमः,**	**शिखायै वषट्,**
ॐ ॐ नमः	**अनामिकाभ्यां नमः**	**कवचाय हुम्,**
ॐ ह्रीं नमः	**कनिष्ठिकाभ्यां नमः,**	**नेत्रत्रयाय वौषट्,**
ॐ क्रों नमः	**करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः**	**अस्त्राय फट्।**

।। ॐ भूर्भुवःस्वरोमिति दिग्बन्धः।।

अथ मन्त्रः - (मधुमती छन्द का उच्चारण 3, 4 पर थोड़ रुक कर करें। जगण, सगण और गुरु।)

ॐ हूं खौं, जं रं लं बं; क्रों ऐं ह्रीं, महाकाल। भैरव, सर्वविघ्न; नाशाय, ह्रीं फट् स्वाहा।।

Created by demo version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM